दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-८० वा | रविवार २८ दिसंबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

खासदार तटकरे के घर पर ही मंगेश कालोखे की हत्या की साजिश-विधायक महेंद्र थोरवे का गंभीर आरोप

रायगढ़ में राष्ट्रवादी-सेना के बीच संघर्ष भड़का

जमीर काज़ी

मुंबई: रायगढ़ जिले में पिछले कुछ वर्षों से सत्ताधारी महायुति के भीतर, विशेष रूप से शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच चल रहा राजनीतिक संघर्ष अब चरम पर पहुँच गया है। रायगढ़ के 'आका' माने जाने वाले सुनील तटकरे के सुतारवाड़ी स्थित घर में ही खोपोली की नवनिर्वाचित नगरसेविका के पति मंगेश कालोखे की हत्या की साजिश रची गई, ऐसा गंभीर आरोप कर्जत से शिंदे गुट के विधायक महेंद्र थोरवे ने शनिवार को लगाया।

महानगरपालिका चुनाव का रण गरमाए रहने के बीच, इस आरोप ने जिले के राजनीतिक माहौल को और अधिक उग्र बना दिया है।

खोपोली नगर परिषद के चुनाव परिणाम आए अभी महज पाँच दिन भी नहीं बीते थे कि एक बड़ी घटना सामने आ गई। नवनिर्वाचित नगरसेविका मानसी कालोखे के पति और विधायक महेंद्र थोरवे के कट्टर समर्थक मंगेश कालोखे की २६ दिसंबर को बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज घटना से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है और राजनीतिक वातावरण अत्यंत तनावपूर्ण हो गया है।

मंगेश कालोखे हत्याकांड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के रायगढ़ जिला अध्यक्ष सुधाकर घारे, जिला प्रवक्ता भरत भगत सहित कुल आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुधाकर घारे को खासदार सुनील तटकरे का अत्यंत

करीबी माना जाता है, जिससे इस प्रकरण ने बड़ा राजनीतिक मोड़ ले लिया है।

खोपोली नगर परिषद के वार्ड क्रमांक ३ में मानसी कालोखे के खिलाफ राष्ट्रवादी की उर्मिला देवकर उम्मीदवार थीं। २१ दिसंबर को आए नतीजों में उर्मिला देवकर को ७०० से अधिक मतों से पराजय का सामना करना पड़ा। इसके बाद शुक्रवार सुबह मंगेश कालोखे पर धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या किए जाने की शिकायत उनके परिजनों ने दर्ज कराई है।

इस मामले में राष्ट्रवादी के जिला अध्यक्ष सुधाकर परशुराम घारे, जिला प्रवक्ता भरत भगत, रवींद्र परशुराम देवकर, दर्शन रवींद्र देवकर, धनेश रवींद्र देवकर, सचिन संदीप चव्हाण, रवींद्र देवकर के बाउंसर तथा अन्य तीन लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मृतक मंगेश

▶▶पान ४ पे

खोपोली हत्याकांड मामले में मुख्यमंत्री एसआईटी गठित करें-सुनील तटकरे

जमीर काज़ी

मुंबई:खोपोली में घटी घटना अत्यंत निंदनीय है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। साथ ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जांच एजेंसियों के दायरे को व्यापक करते हुए इस मामले में एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन करना चाहिए- यह मांग सुनील तटकरे ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में की।

उन्होंने कहा कि विधायक थोरवे द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं। उनके पूर्व रिकॉर्ड को उनके चुनावी आवेदन प्रक्रिया में देखा जा सकता है। इसी तरह सुधाकर घारे के पूर्व रिकॉर्ड को भी देखा जा सकता है। इससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि किसका पिछला इतिहास क्या रहा है-ऐसा तंज भी तटकरे ने कसा।

तटकरे ने आगे कहा, किसी घटना की जांच जब जारी हो, उस समय सार्वजनिक रूप से राय व्यक्त करना उचित नहीं होता। जो घटना घटी या जिनके बीच जो विवाद रहे, उसकी पूरी जानकारी निश्चित रूप से पुलिस

▶▶पान ४ पे

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से महत्वपूर्ण व विशेष मुलाकात

नई दिल्ली (मुहम्मद गुफ़रान आफ़रीदी):

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से हाल हि मे एक महत्वपूर्ण और विशेष मुलाकात हुई। इस अवसर पर मौलाना आज़ाद एजुकेशन फ़ाउंडेशन (भारत सरकार) के पूर्व सदस्य हाजी शेख़ अब्दुल करीम, मूंसिफ टीवी के नेशनल ब्यूरो चीफ व सीनियर एडिटर ख़ुर्शीद रब्बानी, एमसीडी के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एस.पी. राय, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी आक़िल क़ुरैशी तथा युवा पत्रकार मुहम्मद गुफ़रान आफ़रीदी उपस्थित रहे। यह मुलाकात अत्यंत सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री गडकरी को अल्पसंख्यक वर्गों, सामाजिक सौहार्द, मीडिया की भूमिका तथा विकासात्मक योजनाओं से जुड़े जमीनी तथ्यों से अवगत कराया। विशेष रूप से देश में बुनियादी ढांचे के तेज़ विकास, सड़कों और राजमार्गों की परियोजनाओं, रोज़गार के अवसरों तथा आम नागरिकों की सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर मूंसिफ टीवी के नेशनल ब्यूरो चीफ व सीनियर एडिटर ख़ुर्शीद रब्बानी ने मीडिया की सकारात्मक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ज़िम्मेदार पत्रकारिता न

▶▶पान ४ पे

३ जनवरी को सावित्रीबाई फुले स्मारक के कार्य का शुभारंभ

कार्यक्रम का निमंत्रण देने बीड आया हूं-ग्रामविकास मंत्री जयकुमार गोरे

बीड:

हर व्यक्ति जिस समाज से आता है, उस समाज का उस पर कुछ न कुछ ऋण होता है। मैं भी जिस समाज से आया हूं, उसका ऋण चुकाना मेरा दायित्व है। इसी भावना के साथ आगामी ३ जनवरी २०२६ को सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर उनकी जन्मभूमि नायगांव में जन्मोत्सव मनाया जाएगा और भव्य स्मारक के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया जाएगा। जिले के सभी समाजों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए ही मैं विशेष रूप से बीड आया हूं, यह बात जयकुमार गोरे ने कही।

सावित्रीबाई फुले जयंती के उपलक्ष्य में बीड शहर के एक निजी होटल में माली समाज की व्यापक बैठक ग्रामविकास मंत्री गोरे की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर मंच पर सावता परिषद के संस्थापक कल्याण आखाडे, एड. सतीश शिंदे, मेहत्रे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

मंत्री गोरे ने कहा कि आज समाज के सभी जाति-धर्म अपने-अपने मेले और कार्यक्रम आयोजित

▶▶पान ४ पे

वडवणी तलाठी मारपीट प्रकरण में जिलाधिकारी को ज्ञापन; आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग

गिरफ्तारी नहीं होने पर ३० दिसंबर से काम बंद आंदोलन का इशारा

वडवणी:

वडवणी स्थित न्यायालय के सामने अतिक्रमण हटाने की सूचना देने गए तलाठी के साथ अतिक्रमणधारक द्वारा मारपीट, जातिसूचक गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दिए जाने की घटना २३ दिसंबर को दोपहर तीन बजे हुई थी। इस मामले में आठ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटना के विरोध में २४ और २६ दिसंबर को वडवणी तहसील के अधिकारियों ने लेखनी बंद आंदोलन किया। इसके बाद महाराष्ट्र राज्य ग्राम राजस्व अधिकारी एवं मंडल अधिकारी संघ, बीड की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई है। चेतावनी दी गई है कि यदि गिरफ्तारी नहीं हुई तो ३० दिसंबर से पुनः लेखनी बंद आंदोलन किया जाएगा।

वडवणी शहर के न्यायालय के सामने गट क्रमांक ६५६ में अतिक्रमणधारकों द्वारा २५ गाले (दुकानें) बनाकर अतिक्रमण किया गया था। यह अतिक्रमण २३ दिसंबर को दोपहर तीन बजे के बाद हटाया जाना था। तहसीलदार ने लिखित आदेश देकर तलाठियों को मौखिक सूचना देने के निर्देश दिए थे। इसी मौखिक सूचना के लिए गए वडवणी सज्जा के तलाठी गंगाराम वडमारे के साथ मारपीट की गई, उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई और जातिसूचक अपशब्दों का प्रयोग किया गया।

इसके बाद तलाठी गंगाराम वडमारे की शिकायत पर वडवणी पुलिस

▶▶पान ४ पे

पवन करवर हमला मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

अदालत ने तीन दिन की पुलिस हिरासत सुनाई

माजलगांव:

ओबीसी नेता प्रो. लक्ष्मण हाके के कार्यकर्ता पवन करवर और उनके साथियों पर तालुका के सावरगांव के पास भोजन करते समय १०-१५ अज्ञात युवकों ने जानलेवा हमला किया था। इस हमले में पवन करवर गंभीर रूप से घायल हुए थे, जबकि उनके अन्य साथी भी जख्मी हुए थे। इस मामले में तीन आरोपियों को मंगलवार रात ग्रामीण पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां अदालत ने तीनों आरोपियों को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

प्रो. लक्ष्मण हाके के करीबी माने जाने वाले, केरवाड़ी पालम (जिला परभणी) निवासी पवन पांडुरंग करवर अपने चार साथियों के साथ २३ सितंबर को रात करीब ९ बजे सावरगांव के पास स्थित एक ढाबे पर भोजन करने बैठे थे। वहां उन्हें विजयसिंह पंडित का फोटो दिखाई देने पर उन्होंने ऑर्डर रद्द कर वहां से जाने का फैसला किया। इसी दौरान होटल संचालक प्रवीण जगताप और नितीन जगताप ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद उनके पांच-छह साथी मौके पर पहुंचे और कांटे व लोहे की रॉड से पवन करवर के सिर, पैर और हाथ पर वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया।

हमले में गंभीर रूप से घायल पवन करवर का निजी अस्पताल में उपचार किया गया। इसके बाद अगले दिन ग्रामीण पुलिस थाने में प्रवीण और नितीन जगताप तथा उनके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सावरगांव की इस घटना के बाद भी आरोपी लंबे

▶▶पान ४ पे

मुस्लिम समाज का नया तजुर्बा

भारतीय जनता पार्टी को वोट देकर आज़माया

एम. एजाज़ जिंतूरकर

वार्तापत्रः जिंतूर नगर परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत ने केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि मुस्लिम समाज की बदलती राजनीतिक भूमिका का स्पष्ट संकेत दिया है। इस जीत में मुस्लिम समाज की निर्णायक भागीदारी अलग से उभरकर सामने आई है। यह परिणाम बताता है कि मुस्लिम समाज अब केवल भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि परिपक्वता और विवेक से राजनीतिक निर्णय ले रहा है।

अब तक स्वयं को धर्मनिरपेक्ष कहने वाले कई राजनीतिक दलों ने मुस्लिम समाज को महज़ वोट बैंक के रूप में देखा। मुस्लिम मतों के सहारे सत्ता का लाभ तो लिया गया, लेकिन समाज के सर्वांगीण विकास, प्रतिनिधित्व और निर्णय प्रक्रिया में सहभागिता को जानबूझकर नज़रअंदाज़ किया गया। लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं में मुस्लिम समाज ने प्रतिनिधि चुनकर सत्ता निर्माण में सहयोग दिया, पर बदले में विकास और भागीदारी शून्य रही-यह सच्चाई नकारी नहीं जा सकती।

पिछले ६५-७० वर्षों के राजनीतिक इतिहास पर नज़र डालें तो मुस्लिम समाज को मुख्य राजनीतिक धारा से दूर रखने के प्रयास स्पष्ट दिखते हैं। दोयम दर्जे का स्थान दिए जाने से समाज में असंतोष बढ़ा। लेकिन अब परिस्थितियाँ बदल रही हैं। जिंतूर नगर परिषद चुनाव इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ मुस्लिम समाज ने सोच-समझकर फैसला लिया।

पालकमंत्री

▶▶पान ४ पे

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

ऊस उत्पादक किसानों के लिए महेश सहकारी चीनी कारखाना आशा की किरण-भीमराव धोंडे

कम लागत में अधिक उत्पादन का सूत्र-विशेषज्ञ नवनाथ गायकवाड

आष्टी:

महेश सहकारी चीनी कारखाना लिमिटेड, कड़ा (ता. आष्टी) की ओर से गन्ना उत्पादक किसानों के लिए उचित गन्ना प्रबंधन विषय पर एक भव्य मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। आष्टी, पाटोदा, शिरूर कासार, जामखेड, कर्जत सहित आसपास के विभिन्न तालुकों से सैकड़ों गन्ना उत्पादक किसान बड़ी संख्या में और उत्साह के साथ उपस्थित रहे।

लंबे समय से कठिनाइयों का सामना कर रहे महेश सहकारी चीनी कारखाने के पुनः संचालन की दिशा में आगे बढ़ने से किसानों की इस शिविर पर विशेष निगाहें थीं। कारखाने की भावी दिशा के साथ-साथ गन्ना खेती को अधिक लाभकारी कैसे बनाया जाए, इस पर विस्तार से मार्गदर्शन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मान्यवरों के हाथों दीप प्रज्वलन से हुई। प्रस्तावना में शिवाजी थोरवे ने महेश सहकारी चीनी कारखाने का इतिहास, अब तक की यात्रा और आगामी लक्ष्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि १९७४ में स्थापित यह कारखाना सूखा, आर्थिक संकट, बैंक ऋण और लीज जैसी अनेक कठिनाइयों से गुजरते हुए आज एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। कारखाने के पुनरुद्धार के लिए निदेशक मंडल निरंतर प्रयासरत है-यह भी उन्होंने स्पष्ट किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधायक भीमराव धोंडे ने गन्ना खेती और चीनी उद्योग की वर्तमान स्थिति पर स्पष्ट और सटीक विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज किसान कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन सही योजना, आधुनिक तकनीक और सहकारिता के माध्यम से गन्ना खेती फिर से निश्चित रूप से लाभकारी बन सकती है।

धोंडे ने बताया कि आष्टी तालुका सहित तीन जिलों और सात तालुकों में बड़े पैमाने पर गन्ना खेती होती है। कुकड़ी, उजनी और अन्य जलस्रोतों के कारण पानी की उपलब्धता बढ़ी है, जिससे गन्ना खेती के लिए अनुकूल वातावरण बना है। महेश सहकारी चीनी कारखाना शुरू होने पर क्षेत्र के हजारों किसान, मजदूर, परिवहनकर्ता और व्यवसायियों को रोजगार मिलेगा और पूरे तालुके की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी-ऐसा विश्वास उन्होंने व्यक्त किया।

कारखाने के लाइसेंस, जल समस्या और सरकारी स्तर की अड़चनों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कारखाना शुरू करने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास जारी हैं और किसानों के हितों से कहीं भी समझौता नहीं किया जाएगा। सहकारिता क्षेत्र में राजनीति लाए बिना किसान को केंद्र में रखकर निर्णय लेना आवश्यक है-यह भी उन्होंने रेखांकित किया।

कम लागत में अधिक उत्पादन का सूत्र - विशेषज्ञ नवनाथ गायकवाड

इस शिविर में गन्ना तकनीक विशेषज्ञ नवनाथ गायकवाड (नाना) ने वैज्ञानिक पद्धति से गन्ना खेती पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि उत्पादन बढ़ाने के लिए लागत पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है। सही अंतर, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, ड्रिप सिंचाई का उपयोग और योजनाबद्ध जल आपूर्ति से कम लागत में अधिक उत्पादन लिया जा सकता है।

उन्होंने बीज उपचार, मिट्टी परीक्षण के अनुसार उर्वरकों का उपयोग, जैविक खाद का समावेश तथा रोग और कीट नियंत्रण पर भी विस्तार से जानकारी दी। अत्यधिक पानी और अत्यधिक उर्वरक से उत्पादन नहीं बढ़ता, बल्कि नुकसान होता है-सही प्रबंधन ही सफलता का मंत्र है, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया।

इस अवसर पर संस्थान के सी.ओ.ओ. विठ्ठल भापकर ने संस्था के माध्यम से किसानों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न उपक्रमों की जानकारी दी। आधुनिक तकनीक, डिजिटल साधनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है-यह उन्होंने बताया। गन्ना प्रबंधन से संबंधित जानकारीपूर्ण वीडियो प्रस्तुति भी दिखाई गई।

इस मार्गदर्शन शिविर को किसानों की उत्स्फूर्त प्रतिक्रिया मिली। कार्यक्रम के अंत में किसानों से सीधा संवाद किया गया और अनेक किसानों ने प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान कराया। उचित गन्ना प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीक और महेश सहकारी चीनी कारखाने के पुनरुद्धार की दिशा में यह शिविर किसानों के लिए दिशादर्शक सिद्ध हुआ-ऐसी भावना उपस्थितों ने व्यक्त की।

इस शिविर में प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में मा. आ. भीमरावजी धोंडे, श्री विठ्ठल भापकर (सी.ओ.ओ.), श्री नवनाथ गायकवाड (गन्ना तकनीक मार्गदर्शक), युवा नेता डॉ. अजयदादा धोंडे, चेयरमैन राजेंद्र काका धोंडे, युवा नेता अभय राजे धोंडे, पा.कृ.उ.बा.स. उपसभापति पांडुरंग नागरगोजे, आर.पी.आई. आष्टी तालुका अध्यक्ष अशोक सालवे, नियामत बेग साहब, अधिवक्ता हनुमंत थोरवे, अधिवक्ता भाऊसाहेब लटपटे, शेख आस्ताक भाई, धैर्यशील थोरवे, राजाबापू नलावडे, बबनराव औटे, अंकुश मुंडे, बालासाहेब पवार, अधिवक्ता दहातोंडे, अधिवक्ता ढाकणे, बाबुसेठ भंडारी, बजरंग कर्डिले, सावता परिषद तालुका अध्यक्ष बाबासाहेब वाघुले, पूर्व सरपंच जालिंदर गायकवाड, योगीनाथ बांगर, गणेश सांगळे, संदीप नागरगोजे सहित बड़ी संख्या में गन्ना उत्पादक किसान, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, उपसरपंच, पत्रकार बंधु, ग्रामवासी तथा कारखाने का निदेशक मंडल उपस्थित रहा।

समाज की समस्याओं के समाधान के लिए नगर परिषद के स्वीकृत सदस्य पद पर सैयद एजाज को अवसर देने की मांग

गेवराई शहर के मुस्लिम समाज की जोरदार मांग

गेवराई (काज़ी अमान):

समाज की समस्याओं के समाधान के लिए दिन-रात संघर्ष करने वाले, हर व्यक्ति के सुख-दुख में सहभागी होने वाले और संकट की घड़ी में मदद के लिए आगे आने वाले भारतीय जनता पार्टी के युवा, तेज-तर्रार एवं जुझारू कार्यकर्ता सैयद एजाज को गेवराई नगर परिषद के स्वीकृत सदस्य पद पर अवसर दिया जाए, ऐसी जोरदार मांग शहर के मुस्लिम समाज द्वारा की जा रही है।

गेवराई नगर परिषद का चुनाव हाल ही में संपन्न हुआ है, जिसमें जनता ने एक बार फिर पवार परिवार के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। भाजपा की नेता तथा महाराष्ट्र राज्य की कैबिनेट दर्जा प्राप्त पशुसंवर्धन मंत्री ना. पंकजाताई मुंडे के मार्गदर्शन में भाजपा ने गेवराई नगर पालिका पर विजय पताका फहराते हुए एकहाथी सत्ता स्थापित की है। युवा नेता बालराजे पवार, पूर्व विधायक लक्ष्मण पवार तथा पूर्व मंत्री बदामराव पंडित के नेतृत्व और मार्गदर्शन पर विश्वास जताते हुए शहर के मतदाताओं ने भरपूर समर्थन दिया, जिसके परिणामस्वरूप सौ. गीताभाभी बालराजे पवार नगराध्यक्ष पद पर भारी मतों से विजयी हुईं। कुल २० सीटों में से भाजपा के १६ नगरसेवक विजयी हुए हैं। वर्ष २०२५ की नगर परिषद चुनाव में भाजपा को शानदार सफलता मिली है।

हालांकि, वार्ड क्रमांक १० से भाजपा के युवा, तेज-तर्रार और जुझारू उम्मीदवार सैयद एजाज मात्र १९ मतों के बेहद कम अंतर से पराजित हुए। इतने कम मतों से हारने के बावजूद, प्रचार अवधि के दौरान उन्होंने नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए प्रभावी जनसंपर्क किया था। वे पिछले कई वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं और गरीब-गुरबों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। किसी भी परिस्थिति में नागरिकों के साथ मजबूती से खड़े रहने वाले और समाजहित में कार्य करने वाले नेतृत्व के रूप में उनकी पहचान है।

इसी कारण लोकनेता बालराजे पवार और पूर्व विधायक लक्ष्मण पवार द्वारा सैयद एजाज को गेवराई नगर परिषद के स्वीकृत सदस्य पद पर नियुक्त किया जाए, ऐसी जोरदार मांग न केवल शहर के मुस्लिम समाज बल्कि विभिन्न सामाजिक वर्गों की ओर से भी की जा रही है। नागरिकों का मानना है कि यदि सैयद एजाज को स्वीकृत सदस्य के रूप में अवसर दिया जाता है, तो वार्ड सहित पूरे शहर की समस्याओं के समाधान में निश्चित रूप से मदद मिलेगी।

गुजरात के ७८ लाख बैंक खातों में २८३६ करोड़ रुपये, कोई दावेदार नहीं

एक तरफ करोड़ों का कोई दावेदार नहीं, दूसरी तरफ एक करोड़ लोग मुफ्त अनाज पर निर्भर हैं।

हबीब शेख

अहमदाबाद

गुजरात में एक तरफ पैसा बिना दावेदार के पड़ा है, तो दूसरी तरफ ७८ लाख बैंक खातों में करोड़ों रुपये बिना किसी दावेदार के जमा हैं। यह विरोधाभास सिर्फ गुजरात में ही नजर आता है। राज्य सरकार मनरेगा और अन्य योजनाओं के जरिए एक करोड़ से ज्यादा गरीबों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराती है, जबकि दूसरी तरफ करोड़ों रुपये का कोई दावेदार नहीं है। दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के विभिन्न बैंकों के ७८ लाख खातों में जमा राशि लाखों में नहीं बल्कि करोड़ों में है, जिसे कोई नहीं लेगा। दूसरी तरफ, सरकार राशन दुकानों के माध्यम से एक करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अनाज प्रदान करती है।

चार जिलों के वार्षिक विकास व्यय के बराबर राशि का दावा नहीं किया गया है। गुजरात को देश की प्रगति का इंजन माना जाता है। इसके बैंकों में पड़ी भारी राशि की वजह से आज इसे एक नए वित्तीय रहस्य का सामना करना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य भर में विभिन्न बैंकों के ७८ लाख से ज्यादा खातों में अनुमानित २,८३६.८१ करोड़ रुपये बिना दावे के पड़े हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि यह राशि राज्य के चार जिलों-जामनगर, भावनगर, आनंद और कच्छ-के संयुक्त वार्षिक विकास पर खर्च करने लायक है। हकीकत यह है कि दस साल या उससे ज्यादा समय से कोई वारिस या खाताधारक इस राशि का दावा करने नहीं आया। प्रवास, तेज़ रफ्तार वाली जीवनशैली और वारिसों की अज्ञानता के कारण शहरों में यह समस्या गंभीर रूप ले रही है। राज्य के वे जिले जो व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों के गढ़ हैं, वहां यह राशि पिछले दस साल या उससे ज्यादा समय से विभिन्न बैंकों में पड़ी हुई है।

जांच से यह बात सामने आई कि यह राशि उन लोगों की हो सकती है जिन्होंने इसे भविष्य के लिए या अपने बच्चों या पोते-पोतियों के लिए रखा था, लेकिन बिना बताए गुजरात चले गए। वारिसों की अनुपलब्धता, खातों की जानकारी न होने या विदेश में बस जाने की वजह से खाते संचालित नहीं हुए। विभिन्न जिलों में खातों की राशि के बारे में बात करें तो भरूच के २,४०,३२० खातों में ९१.६६ करोड़ रुपये, भावनगर के २,३८,६२४ खातों में ७४.५४ करोड़ रुपये, गांधीनगर के २,०५,२२४ खातों में ६९.३८ करोड़ रुपये, जामनगर के खातों में ७४.२७ करोड़ रुपये (नोट: मूल में दोहराव है), मेहसाना के १,४२,०१६ खातों में ३४.२३ करोड़ रुपये, राजकोट के ६,०९,७८५ खातों में २९४.४७ करोड़ रुपये, वडोदरा के ५,५१,३५३ खातों में २६५.९७ करोड़ रुपये, बनासकांठा के २,६३,२१९ खातों में ५४.८६ करोड़ रुपये हैं। वहीं दाहोद में ३,२३,००२ खाते हैं जिनमें ११९.७८ करोड़ रुपये हैं, मोरबी में विभिन्न बैंक खातों में ९२.३९६ करोड़ रुपये का दावा नहीं किया गया है। नवसारी में विभिन्न बैंकों में २,९२,२९८ खाते थे जिनमें १७७.०४ करोड़ रुपये थे, जबकि पाटण में १,७७,७८९ खाते हैं जिनमें १७७.०४ करोड़ रुपये पड़े हैं। लोग खातों की जानकारी की कमी की वजह से दावा नहीं करते। ऐसा होता है कि अगर १० साल तक कोई लेन-देन नहीं होता, तो खाता अनक्लेम्ड हो जाता है। राशि ऊए-फंड में चली जाती है, लेकिन मालिकाना हक सुरक्षित रहता है। आप पोर्टल के जरिए दावा कर सकते हैं। अगर कोई नामांकित (नॉमिनी) हो तो प्रक्रिया आसान हो जाती है। पोरबंदर, सौराष्ट्र में ८९,९९० खाते हैं जिनमें ४७.५७ करोड़ रुपये जमा हैं लेकिन लेने वाला कोई नहीं है। अगर १ करोड़ रुपये के लिए कोई नामांकित नहीं है, तो उत्तराधिकार प्रमाणपत्र जरूरी होता है। अगर सही दस्तावेज हों तो राशि ७ दिनों में वापस मिल सकती है। अनक्लेम्ड राशि का दावा करने की प्रक्रिया अब बहुत आसान हो गई है और आमतौर पर एक हफ्ते में पूरी हो जाती है। यह बात जे.एस. परमार, लीड बैंक मैनेजर, दाहोद ने कही। राशि कैसे प्राप्त करें? सबसे पहले, दावेदार को संबंधित बैंक शाखा से संपर्क करना चाहिए या णऊक्ष्-च् पोर्टल से अनक्लेम्ड राशि की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। आवेदन प्रक्रिया: दावा करने के लिए बैंक शाखा में जाकर एक निर्धारित आवेदन फॉर्म भरना होता है। जीवित खाताधारक: अगर खाताधारक जीवित है, तो आवेदन फॉर्म के साथ पहचान और पता प्रमाण, पासबुक/खाता विवरण जमा करना होता है और घधउ अपडेट करानी होती है। परिवार संरचना में बदलाव और जानकारी की गंभीर कमी के नतीजे में नियमों के अनुसार, अगर लेन-देन नहीं होता, तो इसे 'अनक्लेम्ड डिपॉजिट' घोषित कर दिया जाता है। इसके बाद, खाते में बची राशि ठइख के डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस (ऊए-) फंड में स्थानांतरित कर दी जाती है। अंत में, मृत्यु की स्थिति में सिस्टम को डुप्लिकेट प्रस्तुत करना होता है: अगर खाताधारक की मृत्यु हो गई है और वारिस ने मृत्यु प्रमाणपत्र तथा घधउ दस्तावेज जमा किए हैं। अगर कोई नामांकित हो तो प्रक्रिया आसान हो जाती है। संगठन/ट्रस्ट खाता: अगर किसी सोसाइटी, ट्रस्ट या संगठन का खाता है, तो कानूनी प्रावधानों के अनुसार नया प्रतिनिधि नियुक्त करके कार्रवाई की जा सकती है। मुआवजा: बैंक द्वारा सभी दस्तावेजों की पूर्ण सत्यापन के बाद, अगर दावा सही पाया जाता है, तो बैंक ऊए-फंड से राशि की वसूली की प्रक्रिया शुरू कर देता है। काफी समय से अनक्लेम्ड संपत्तियों की बड़ी मात्रा देखी जा रही है। रिजर्व बैंक ने राज्य के ३३ जिलों को उनकी आर्थिक गतिविधियों के आधार पर -, इ और उ श्रेणियों में विभाजित किया है। अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा जैसे मेट्रो शहर, जो '-' श्रेणी में आते हैं, में बैंक खातों में १,०४७ करोड़ रुपये बिना दावे के पड़े हैं।

(इल्म न्यूज एंड फीचर सर्विस - ९८२४९९०१५२)

पान १ वरून

खासदार तटकरे के घर पर ही मंगेश...

कालोखे, कर्जत के विधायक महेंद्र थोरवे के पक्के समर्थक थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ विधायक थोरवे ने आज कालोखे परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान विधायक थोरवे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सुधाकर घारे ही इस पूरे मामले के असली सूत्रधार हैं।

उन्होंने कहा,

हमने अब तक सभी चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से लड़े हैं। लेकिन सुनील तटकरे के सत्ता में आने के बाद रायगढ़ में खून-खराबे की राजनीति शुरू हो गई है। बीड के बाद अब रायगढ़ के 'आका' सुनील तटकरे हैं। उनके माध्यम से मेरे कार्यकर्ताओं की हत्या कराई जा रही है। आज भी घारे अपने कार्यालय में बैठकें कर रहे हैं। तटकरे कह रहे हैं कि घारे का इसमें हाथ नहीं है-क्या उन्होंने इस मामले की जाँच की है? इसका अर्थ है कि सब कुछ पूर्वनियोजित है। घारे एफआईआर में नामजद आरोपी हैं। घटना से दो दिन पहले रवी देवकर सरकारी वकीलों के जरिए सुतारवाड़ी गए थे। वहीं तटकरे के साथ बैठकर चर्चा हुई और योजनाबद्ध तरीके से मंगेश कालोखे की हत्या की गई,-ऐसा गंभीर आरोप उन्होंने लगाया।

आरोपियों को फांसी पर लटकाया जाएगा: शिंदे

कालोखे परिवार से मुलाकात के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस मामले की गहन जाँच की जा रही है। हत्यारों को फांसी पर लटकाया जाएगा। चाहे कोई भी हो, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

एसआईटी से जाँच कराई जाए: तटकरे

विधायक महेंद्र थोरवे के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनील तटकरे ने कहा कि चुनाव के दौरान इस तरह के आरोप लगाना गलत है। सरकार को एसआईटी गठित कर इस मामले की जाँच करानी चाहिए और हत्यारों को पकड़ना चाहिए-यही हमारी मांग है।

खोपोली हत्याकांड मामले में ...

विभाग के पास होगी। मुझे विश्वास है कि मेरे दल के जिला अध्यक्ष सुधाकर घारे का इस प्रकरण से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। लेकिन चूंकि जांच चल रही है, इसलिए जांच में किसी प्रकार की बाधा पहुंचे-ऐसा कोई भी बयान मैं नहीं दूंगा, यह भी उन्होंने स्पष्ट किया।

उन्होंने यह भी कहा कि भरत गोगावले मंत्री हैं और उनका पूर्व इतिहास जनता को ज्ञात है। उन्होंने ही मालवण की सभा में यह बताया था कि नेता बनने के लिए क्या-क्या चाहिए। इस विषय पर अब अधिक बोलना उचित नहीं-ऐसा कहते हुए तटकरे ने अपनी बात समाप्त.

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी...

केवल जनता की आवाज़ बनती है, बल्कि सरकार और आम जनता के बीच एक मज़बूत सेतु का कार्य भी करती है।

इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता देश का सर्वांगीण विकास है। बुनियादी ढांचे को मज़बूत कर न केवल अर्थव्यवस्था को गति दी जा रही है, बल्कि रोज़गार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि विकास की प्रक्रिया में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार का दृढ़ संकल्प है।

मुलाकात के समापन पर प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि भविष्य में भी इस प्रकार के सार्थक संवाद जारी रहेंगे, जो देश की प्रगति और सामाजिक सौहार्द को और मज़बूती प्रदान करेंगे।

पवन करवर हमला मामले ...

समय तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहे। इस मुद्दे को विधायक धनंजय मुंडे ने विधानसभा में उठाया था, जिस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था।

इसके बाद माजलगांव ग्रामीण पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर करण शिंदे, प्रल्हाद नरवड़े और संपत लाटे को गिरफ्तार किया। पुलिस निरीक्षक बालक कोळी के मार्गदर्शन में जांच अधिकारी एपीआई गोविंद पांडव की टीम ने यह कार्रवाई की। अदालत ने गिरफ्तार तीनों आरोपियों को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

----

३ जनवरी को सावित्रीबाई फुले ...

कर रहे हैं, जिससे समाज एकजुट होता है और विचारों का आदान-प्रदान होता है। माली समाज को भी संगठित होकर वैचारिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में समाज के तीन मंत्री राज्य मंत्रिमंडल में हैं और तीनों कैबिनेट दर्जे के मंत्री हैं। ये सभी ३ जनवरी के कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि ३ जनवरी को सातारा जिले के नायगांव में सावित्रीबाई फुले का भव्य जन्मोत्सव मनाया जाएगा और स्मारक का निर्माण कार्य शुरू होगा। वहीं आरणगांव में संत सावता माळी का भी स्मारक बनाया जा रहा है। दोनों स्मारकों के लिए राज्य के मुख्यमंत्री ने प्रत्येकी १५० करोड़ रुपये का निधि प्रदान किया है।

अपने अनुभव साझा करते हुए गोरे ने कहा कि एक समय ऐसा था जब वे विधायक रहते हुए भी सातारा जिले में सावित्रीबाई फुले जयंती के कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किए जाते थे। इसी तरह सोलापुर जिले के पंढरपुर में विठ्ठल की पालखी के कार्यक्रम में भी उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता था। लेकिन आज पालकमंत्री और कैबिनेट मंत्री के नाते, दोनों ही कार्यक्रम उनकी प्रमुख उपस्थिति में आयोजित हो रहे हैं-यह बदलाव समाज की एकता और सम्मान का प्रतीक है।

वडवणी तलाठी मारपीट प्रकरण में...

स्टेशन में आठ आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। हालांकि घटना को लगभग चार दिन बीत जाने के बावजूद वडवणी पुलिस ने अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर महाराष्ट्र राज्य ग्राम राजस्व अधिकारी एवं मंडल अधिकारी संघ, बीड की ओर से जिलाधिकारी को लिखित ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि यदि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर कठोर दंड नहीं दिया गया, तो ३० दिसंबर से संघ के अधिकारी-कर्मचारी अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन करेंगे।

इस ज्ञापन पर पी.एस. आंधळे, ए.एस. काशीद, एस.एम. केकाण, ए.आर. नागरगोजे, एस.एम. खोसे, पी.एस. काळे, बी.ए. बिडके, जी.के. वडमारे, बी.बी. मार्कंड, एफ.सी. खाडे, बी.ए. तांदळे, एम.एम. आगलावे, बाबा बडे सहित अन्य के हस्ताक्षर हैं।

मुस्लिम समाज का...

सौ. मेघनाताई साकोरे बोर्डीकर एवं स्व. रामप्रसाद बोर्डीकर के नेतृत्व में भाजपा ने नगर परिषद चुनाव जीतकर राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के गढ़ को ध्वस्त किया। नगराध्यक्ष सहित १६ नगरसेवक भाजपा से निर्वाचित हुए, जिनमें ६ नगरसेवक उच्च शिक्षित मुस्लिम युवा हैं। सभी ने भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिह्न 'कमल' पर जीत हासिल की और सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित की-यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

यह जीत बताती है कि मुस्लिम समाज अब केवल मतदाता नहीं रहा, बल्कि एक सक्रिय, सकारात्मक और निर्णायक राजनीतिक घटक के रूप में सामने आया है। 'धर्मनिरपेक्षता' के नाम पर केवल इस्तेमाल करने वाली राजनीति को समाज ने अब नकारना शुरू कर दिया है।

चौकट

जिंतूर नगर परिषद चुनाव का यह परिणाम मुस्लिम समाज के लिए आत्मपरीक्षण, आत्मसम्मान और राजनीतिक मुख्यधारा में सहभागी बनने का टर्निंग पॉइंट बन सकता है। यह बदलाव केवल एक नगर परिषद तक सीमित न रहकर भविष्य में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं, विधानसभा और लोकसभा चुनावों पर भी प्रभाव डाल सकता है-इसमें कोई दो राय नहीं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com